भारत में पहली बार एसजे-100 यात्री विमान

एचएएल और रूस की यूएसई में ऐतिहासिक समझौता

आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ा कदम

नई दिल्ली. भारत ने विमानन उद्योग में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है. देश की अग्रणी एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड और रूस की प्रमुख विमान निर्माता कंपनी यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत भारत में सुखोई सुपरजेट SJ-100 सिविल कम्प्यूटर विमान का निर्माण किया जाएगा.

SJ-100 जेट दो इंजनों वाला विमान है. यह एक नैरो-बॉडी एयरक्राफ्ट है, जिसे आज की तारीख में 16 से ज्यादा कमर्शियल एयरलाइन ऑपरेट कर रहे हैं. अबतक 200 से ज्यादा SJ-100 यात्री विमानों का निर्माण हो चुका है. HAL का कहना है कि यह विमान भारत में उड़ान योजना के तहत कम दूरी की कनेक्टिविटी के लिए एक गेम चेंजर साबित होने वाला है. करार के तहत HAL को घरेलू उपभोक्ताओं के लिए SJ-100 जेट बनाने का अधिकार हासिल होगा.

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड का कहना है कि उसके और रूसी कंपनी UAC के बीच यह समझौता दोनों संगठनों के आपसी भरोसे का नतीजा है. यह पहला मौका भी होने जा रहा है, जब भारत में एक पूर्ण यात्री बनाया जाएगा. ऐसा आखिरी प्रोजेक्ट HAL का ही AVRO HS-748 का उत्पादन था. यह 1961 में शुरू हुआ था और 1988 में खत्म हो गया.

> सरकार का मानना है कि भारत जैसे विशाल भूगोल वाले देश में रीजनल एयर कनेक्टिविटी आर्थिक विकास की रीढ़ बन सकती है. SJ-100 जैसे विमान इस खाई को पाटने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं. भारत और रूस दशकों से रक्षा क्षेत्र में मजबूत सहयोगी रहे हैं, चाहे वह मिग और सुखोई लड़ाकू विमान हों या ब्राह्मोस मिसाइल प्रोजेक्ट.

भारतीय आवासीय बाजार घटती बिक्री और नयी आपूर्ति के बीच स्थिर

कोलकाता 28 अक्टूबर भारतीय आवासीय बाजार घटती बिक्री और नयी आपूर्ति के बीच स्थिर होता दिख रहा है जबकि वाणिज्यिक कार्यालय रियल एस्टेट क्षेत्र शीर्ष सात शहरों में लगातार बढ़ रहा है. नवीनतम शोध आंकड़ों से पता चलता है कि मासिक कार्यालय किराया 2024 के नौ महीनों के लगभग 85 रुपये प्रति वर्ग फुट की तुलना में वर्ष 2025 में लगभग 90 रुपये प्रति वर्ग फुट हो जाएगा जो सालाना छह प्रतिशत की वृद्धि है. सात शहरों में नये कार्यालयों के निर्माण में वृद्धि के बावजूद, औसत रिक्तियों के स्तर में मामूली तीन प्रतिशत की वार्षिक गिरावट देखी गयी जो 2024 के नौ महीनों में 16.70 प्रतिशत से घटकर 2025 के नौ महीनों में 16.20 प्रतिशत हो गया.

ईयू के व्यापार आयुक्त से मिले गोयल

व्यापारिक एवं आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की

भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी होगी मजबूत

नयी दिल्ली, 27 अक्टूबर (वार्ता) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को यूरोपीय संघ के मुख्यालय ब्रुसेल्स की यात्रा के पहले दिन जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल और यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविच के साथ अलग अलग मुलाकात की और व्यापारिक एवं आर्थिक महत्व और पारस्परिक भागीदारी के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की.

श्री गोयल ने जर्मनी के मंत्री श्री वेडफुल के साथ मुलाकात में भारत तथा जर्मनी की मजबूत रणनीति भागीदारी के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता के साथ सहयोग के विभिन्न विषयों पर बात चीत की. यूरोपीय आयोग के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविच के साथ उनकी बातचीत ईयू-भारत मुक्त व्यापार समझौते के मुद्दे पर केंद्रित रही.

श्री गोयल ने श्री वेडफुल के साथ मुलाकात की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, मैंने ब्रुसेल्स की अपनी यात्रा की शुरुआत जर्मनी के संघीय विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ एक बैठक के साथ की. हमारी इस बैठक में आपसी हित और विकास के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा हुई, जिसमें मजबूत भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी और भारत-यूरोपीय संघ एफटीए को शीघ्र पूरा करने के संबंध में दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की गयी.

> यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त श्री मरोस सेफकोविच के साथ बैठक की जानकारी देते हुए श्री गोयल ने एक पोस्ट में कहा, % मेरे मित्र यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मरोस सेफकोविच से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई. हमारी चर्चा भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता को गति देने पर केंद्रित रही. हमने एक त्वरित, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते पर पहुँचने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता भी दोहराई.

शिखर से फिसला शेयर बाजार सेंसेक्स 151 अंक टूटा

नयी दिल्ली, 28 अक्टूबर विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 150.68 अंक (0.18 प्रतिशत) टूटकर 84,628.16 अंक पर बंद हुआ.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी आज 29.85 अंक यानी 0.11 प्रतिशत गिरकर 25,936.20 अंक पर रहा. दोनों प्रमुख सूचकांक सोमवार को अब तक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए थे. मझौली और छोटी कंपनियों पर दबाव कम रहा. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.11 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.02 प्रतिशत की बढ़त में रहा.

एनएसई में जिन 3,237 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,730 में गिरावट और 1,385 में तेजी रही जबकि 122 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे. रियलिटी, आईटी, एफएमसीजी, ऑटो, तेल एवं गैस, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में गिरावट ज्यादा देखी गयी. धातु और सरकारी बैंकों के समूहों में तेजी रही.

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर सितंबर में चार प्रतिशत

नयी दिल्ली, 28 अक्टूबर त्योहारी सीजन में वाहन, बिजली उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान आदि बनाने वाले उद्योगों के कारोबार में तेजी की बदौलत विनिर्माण क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन और बिजली उत्पादन क्षेत्र में स्वस्थ वृद्धि से सितंबर 2025 में औद्योगिक उत्पादन का मापने वाले देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में सालाना आधार पर चार प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी. सितंबर 2024 में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 3.2 प्रतिशत और अगस्त 2025 में 4.1 प्रतिशत थी. इस बार सितंबर माह का औद्योगिक प्रदर्शन विशेष महत्व रखता है क्योंकि अमेरिका में भारत के सामान पर 50 प्रतिशत के ऊंचे शुल्क के बाद यह पहला महीना रहा जिसमें अमेरिका को होने वाले निर्यात पर पूरा असर दिखा है.

जेके टायर को 223 करोड़ रुपये का मुनाफा

नयी दिल्ली, 27 अक्टूबर (वार्ता) देश की अग्रणी टायर निर्माता कंपनी जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 223 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो एक साल पहले की समान तिमाही से 54 प्रतिशत अधिक है.

वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए जेके टायर के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रघुपति सिंघानिया ने कहा, जेके टायर ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है, जो विकास की सकारात्मक गति को समर्थन प्रदान करता है. घरेलू बाजारों में 15 प्रतिशत की मात्रात्मक वृद्धि दर्ज की गयी, जो सभी श्रेणियों में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाती है. उन्होंने कहा कि अमेरिका में आयात शुल्क दरों की अनिश्चितता के बावजूद पहली तिमाही की तुलना में निर्यात की मात्रा में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कंपनी के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों, मौजूदा बाजारों में गहरी पैठ और नये भौगोलिक क्षेत्रों में उच्च मार्जिन वाले उत्पादों की शुरुआत के कारण संभव हुई.

स्पाइसजेट के बेड़े में शामिल हुआ एक और बोइंग 737 विमान

नयी दिल्ली, 28 अक्टूबर कफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट के बेड़े में एक और बोइंग 737 विमान शामिल हो गया है. एयरलाइंस ने मंगलवार को बताया कि इसके अलावा उसका एक बोइंग 737 मैक्स जो परिचालन से बाहर था, फिर से उड़ान भरने के लिए तैयार हो गया है. इन दो विमानों के साथ इस महीने एयरलाइन के बेड़े में कुल पांच विमान शामिल हो गये हैं, जो विंटर शेड्यूल में उड़ानों की संख्या बढ़ाने की कंपनी की रणनीति में महत्वपूर्ण है.दोनों विमानों ने अब वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है. स्पाइसजेट ने इससे पहले इसी महीने दो बोइंग 737 और एक वाइड-बॉडी एयरबस ए340 विमान को शामिल कर अपने बेड़े का विस्तार किया था.

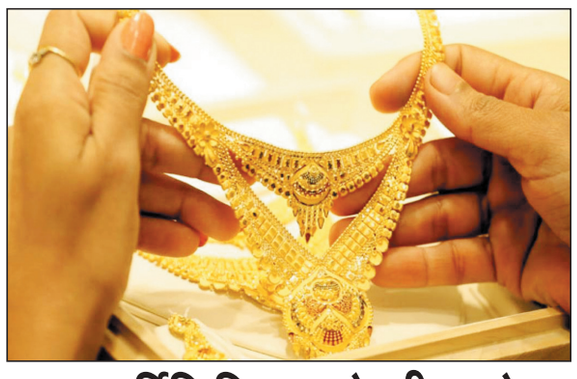

बढ़ा आर्टिफिशियल ज्वेलरी का क्रेज

सोने-चांदी की बढ़ती कीमतों का नतीजा

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर बढ़ती महंगाई और चोरी के ढर के चलते अब महिलाएं कृत्रिम या इमिटेशन ज्वैलरी खरीदने में दिलचस्पी दिखा रही हैं. यही कारण है कि शहर के सबसे तेज बढ़ते उद्योगों में अब इमिटेशन ज्वैलरी का भी शुमार हो रहा है. चोर-लुटेरों से सोने को बचाने में ही नहीं बल्कि रोजगार देने में भी यह इंडस्ट्री आगे आ गई है.

इमिटेशन ज्वैलरी का क्रेज बढ़ने के कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है इसका किफायती होना और असली गहनों जैसा ही आकर्षक दिखना. हर उम्र की महिलाएं, और यहाँ तक कि पुरुष भी, इसे काफी पसंद कर रहे हैं.

महंगाई और बढ़ती कीमतें- सोने-चांदी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे हर व्यक्ति के लिए असली गहने खरीदना मुश्किल होता जा रहा है. इमिटेशन ज्वैलरी कम कीमत पर वही लुक देती है, जिससे लोग इसे आसानी से खरीद पाते हैं.

फैशन और ट्रेंड का बदलाव- आजकल हर छोटे-बड़े फंक्शन के लिए अलग-अलग तरह के गहनों का चलन है. टी.वी. सीरियल और सोशल मीडिया ने भी नए-नए फैशन ट्रेंड्स को बढ़ावा दिया है, जिससे लोग लेटेस्ट डिज़ाइन की इमिटेशन ज्वैलरी पहनना पसंद करते हैं.

सुरक्षा की चिंता- असली और महंगे गहने पहनना, खासकर भीड़-भाड़ वाली जगहों पर, जोखिम भरा हो सकता है. चोरी या स्नैचिंग की घटनाओं के कारण लोग असली गहने पहनने से बचते हैं.

इमिटेशन ज्वैलरी में डिज़ाइन और वैरायटी की भरमार है. यह असली गहनों की तरह ही कुंदन, पोल्की, एडी और कई अन्य स्टाइल में उपलब्ध है.

> **ऑनलाइन उपलब्धता**- आजकल ऑनलाइन शॉपिंग के कारण इमिटेशन ज्वैलरी की पहुँच घर-घर तक हो गई है. विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों पर ढेरों विकल्प मौजूद हैं, जिससे ग्राहक अपनी पसंद और बजट के अनुसार आसानी से खरीदारी कर सकते हैं.

टाटा ट्रस्ट में बड़ा 'तख्तापलट'!

रतन टाटा के करीबी मेहली मिस्त्री की विदाई तय

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर. देश के सबसे औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में मैज्योरिटी हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स में बड़ा उलटफेर हुआ है. दिवंगत रतन टाटा के करीबी माने जाने वाले मेहली मिस्त्री को ट्रस्ट से हटाया जा सकता है.

टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा, वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और ट्रस्टी विजय सिंह ने मेहली मिस्त्री के कार्यकाल को आगे बढ़ाने की मंजूरी नहीं दी है. सूत्रों के मुताबिक इससे टाटा के इन बड़े चैरिटेबल संस्थानों में उनका सफर खत्म हो जाएगा. दरअसल, टाटा ट्रस्ट्स के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा ने पिछले शुक्रवार को मेहली मिस्त्री के तीन साल के कार्यकाल को बढ़ाने का प्रस्ताव रखा. इकोनॉमिक्स टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रस्टी डेरियस खंबाटा, प्रमित झावेरी और जहांगीर जहांगीर ने इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति दे दी थी. लेकिन, जब टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा (रतन टाटा के सौतेले भाई), वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और ट्रस्टी विजय सिंह ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट कर दिया तो मिस्त्री के कार्यकाल पर प्रभावी रूप से पूर्णविराम लगा दिया.

टीवीएस मोटर्स ने बनाया बिक्री, राजस्व और मुनाफे का रिकॉर्ड

बेंगलुरु, 28 अक्टूबर (वार्ता) दुपहिया और तिपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी टीवीएस मोटर को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के दौरान एकल आधार पर 906 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 37 प्रतिशत अधिक है.

कंपनी ने मंगलवार को घोषित वित्तीय परिणामों में बताया कि दूसरी तिमाही में उसका राजस्व, बिक्री और मुनाफा तीनों ऐतिहासिक रिकॉर्ड स्तर पर रहे.

नवंबर में इतने दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर. नवंबर महीने की शुरुआत ही छुट्टियों के साथ हो रही है, लेकिन ये छुट्टियां चुनिंदा शहरों में ही होंगी. 1 नवंबर को बेंगलुरु में 'कन्नड़ राज्योत्सव' और देहरादून में 'इगास-बग्वाल' के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे. यह ध्यान रखना जरूरी है कि यह एक क्षेत्रीय अवकाश है और इसका असर बाकी राज्यों के बैंकों पर नहीं पड़ेगा.

इस महीने की सबसे बड़ी और राष्ट्रव्यापी छुट्टी 5 नवंबर, बुधवार को है. इस दिन गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा का पर्व है, जिसके उपलक्ष्य में लगभग पूरे देश में बैंक शाखाओं में कामकाज नहीं होगा. इसके बाद, 7 नवंबर को शिलांग में 'वंगाला महोत्सव' के कारण वहां के बैंकों में अवकाश रहेगा.

घबराएं नहीं, ये सेवाएं रहेंगी 24 घंटे चालू- बैंकों की छुट्टियों का सीधा असर उन कामों पर पड़ता है, जिनके लिए आपको शाखा में जाना जरूरी होता है. छुट्टी वाले दिन आप चेक जमा नहीं कर पाएंगे, पासबुक प्रिंट नहीं करा पाएंगे, या कोई बड़ा कैश डिपॉजिट या विड्रॉल नहीं कर पाएंगे.

समाचार विशेष

कौन होगा गोपीनाथ मुंडे का उत्तराधिकारी?

धनंजय और पंकजा में छिड़ी जंग! करुणा के बयान से भूचाल

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर महाजन-मुंडे परिवार की विरासत को लेकर नई खींचतान शुरू हो गई है. एनसीपी (अजित पवार गुट) के वरिष्ठ नेता और मंत्री धनंजय मुंडे को लेकर उनकी पत्नी करुणा मुंडे-शर्मा के बयान ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है.

करुणा ने धनंजय को भाजपा के दिवंगत दिग्गज नेता गोपीनाथ मुंडे का असली उत्तराधिकारी बताया है. करुणा ने कहा कि राजनीति में विचारों की विरासत सबसे महत्वपूर्ण होती है. मैं वर्ष 2009 से 2019 के बीच धनंजय के संघर्ष की साक्षी रही हूं. उन्होंने जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़कर अपनी अलग पहचान बनाई है. उनके काम में समाजसेवा और नेतृत्व की झलक साफ दिखाई देती है. इसलिए मैं उन्हें गोपीनाथ मुंडे का असली उत्तराधिकारी मानती हूं.

पंकजा के समर्थन में उतरे प्रकाश महाजन- हालांकि, करुणा के इस बयान के बाद सियासी हलकों में हड़कंप मच गया है. भाजपा की वरिष्ठ नेता और गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा मुंडे के समर्थन में अब दिवंगत नेता प्रमोद महाजन के भाई प्रकाश महाजन उतर आए हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर करुणा मुंडे की आलोचना करते हुए लिखा, सिर्फ पंकजा ही मुंडे साहब की सामाजिक और राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रही हैं. उनके नेतृत्व में ही मुंडे परिवार की पहचान जीवित है. प्रकाश ने यह भी कहा कि गोपीनाथ मुंडे ने हमेशा जनता के मुद्दों को प्राथमिकता दी और पंकजा उन्हीं मूल्यों पर काम कर रही हैं. उन्होंने सवाल उठाया कि जो व्यक्ति राजनीतिक रूप से विपक्षी दल में है, उसे भाजपा नेता गोपीनाथ मुंडे का उत्तराधिकारी कैसे माना जा सकता है?

> **भुजबल ने भी धनंजय को बताया था विचारों का उत्तराधिकारी**
>
> गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही राज्य के खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने बीड में आयोजित ओबीसी रैली के दौरान धनंजय मुंडे को गोपीनाथ मुंडे का विचारों का उत्तराधिकारी बताया था. भुजबल के बयान के बाद ही परिवार के भीतर विरासत की यह बहस फिर से तेज हो गई है. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मुंडे परिवार में यह संघर्ष केवल पारिवारिक नहीं बल्कि आगामी विधानसभा चुनावों से जुड़ा सियासी संकेत भी है. जहां धनंजय एनसीपी में एक मजबूत ओबीसी चेहरा हैं, वहीं पंकजा भाजपा में गोपीनाथ मुंडे की परंपरा और प्रभाव को बनाए रखने की कोशिश कर रही हैं.

पीके ने भी मैदान छोड़ दिया!

पटना. एक तरफ राष्ट्रीय जनता दल के अदृश्य दबाव में सरेंडर करने की खबर है तो दूसरी ओर प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी के भी मैदान छोड़ देने की चर्चा है. पिछले 1 दिन से प्रशांत किशोर लगभग पूरी तरह से मैदान से बाहर हैं.

सोशल मीडिया पर उनका अभियान कमजोर हो गया है. पहले हजारों की संख्या में एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम हैंडल से पीके की बातों को प्रचारित किया जाता था. कई तटस्थ दिखने वाले हैंडल से प्रशांत किशोर के बारे में प्रोपेगेंडा चलता रहता था. वे खुद हर दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस करते थे और विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते थे. लेकिन पिछले 10 दिन से उन्होंने यह सब बंद कर दिया है. सोचें, जिन नेताओं को उन्होंने आर्थिक भ्रष्टाचार या आपराधिक मामलों में शामिल होने के लिए निशाने पर लिया उन्होंने नामांकन किया लेकिन पीके ने किसी पर सवाल नहीं उठाया.

> **नामांकन में बड़े नेता शामिल**
>
> सबसे हैरानी की बात है कि प्रशांत किशोर खुद चुनाव नहीं लड़े और अपनी पार्टी के किसी भी उम्मीदवार के नामांकन में नहीं गए. आमतौर पर नामांकन में बड़े नेता शामिल होते हैं और उसके बाद जनसभा को संबोधित करते हैं, जिससे उस क्षेत्र में चुनाव का माहौल बनता है. लेकिन प्रशांत किशोर ने ऐसी एक भी जनसभा नहीं की है और पहले चरण की 121 सीटों के नामांकन समाप्त हो गए. उनका दानापुर सीट का उम्मीदवार ऐन नामांकन के समय मैदान छोड़ कर भाग गया.

प्रबल इंजन सरकार... पीडीए का नया अर्थ

भाजपा के डबल इंजन को सीधी चुनौती

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब चुनावी सरगर्मी गरमाती दिखने लगी है. पोस्टरों वाली राजनीति तो यूपी की पहचान रही है. समाजवादी पार्टी ने अब अखिलेश यादव के नेतृत्व में वर्ष 2027 में सरकार को लेकर नया पोस्टर जारी किया है. इसको लेकर राजनीतिक चर्चा खूब गरमाई हुई है.

भाजपा की ओर से हर मंच से डबल इंजन की सरकार को विकास की कुंजी बताती रही है. वहीं समाजवादी पार्टी ने इसके जवाब में प्रबल इंजन सरकार का नारा दिया है. सपा ने अखिलेश यादव के पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए पॉलिटिक्स को भी लेकर बड़ा दावा किया है. पार्टी की ओर से 2027 में उत्तर प्रदेश में पीडीए यानी प्रगतिशील, दूरदर्शी और अमनपसंद सरकार बनने का दावा किया है.

प्रदेश कार्यालय के बाहर लगा पोस्टर- सपा के प्रदेश कार्यालय के बाहर लगाया गया यह पोस्टर इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. पोस्टर में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को एक ट्रेन चलाते हुए दिखाया गया है और उसके साथ लिखा है, फिर से चलेगी समृद्धि की बयार, जब 2027 में आएगी प्रबल इंजन सरकार. संतकबीर नगर के मेंहदावल विधानसभा सीट के जयराम पांडेय की ओर से इस पोस्टर को लगवाया गया है.

डबल इंजन बनाम प्रबल इंजन- भाजपा नेता लंबे समय से अपने भाषणों में डबल इंजन की सरकार को राज्य के विकास की जरूरत बताते हैं, यानी केंद्र और राज्य, दोनों जगह भाजपा या एनडीए की सरकार. इसके जवाब में सपा ने प्रबल इंजन का नया राजनीतिक मुहावरा गढ़कर भाजपा पर पलटवार किया है. पार्टी का कहना है कि असली विकास तभी होगा जब सत्ता में जनता की प्रबल शक्ति वाली सरकार आएगी.

विशेष | **जातीय समीकरण साधने पर बनेगी बात**

राजनीतिक घराने की दूसरी-तीसरी पीढ़ी मैदान में

छौड़ाही (बेगूसराय). चेरिया बरियारपुर विधानसभा क्षेत्र में प्रथम चरण में मतदान है. इसके लिए नाम वापसी के बाद प्रत्याशी मैदान में आ गए हैं. यहां के सिटिंग राजद विधायक राजवंशी महतो का टिकट कट चुका है. अब प्रत्याशी व उनके समर्थक अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए जातीय गुणा भाग में सर्वाधिक समय दे रहे हैं.

एनडीए, महागठबंधन एवं जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी सक्रिय हैं. जन सुराज पार्टी ने डॉ. मृत्युंजय कुमार चौधरी को टिकट दिया है. एनडीए से जदयू के अभिषेक कुमार एवं महागठबंधन से सुशील कुमार भूमिहार-ब्राह्मण के बाद सर्वाधिक मतदाता वाले कोइरी (कुशवाहा) जाति से हैं.

यहां राजद से बागी होकर इसी वर्ग से एक और प्रत्याशी ने नामांकन कराया है. बाहरी एवं स्थानीय को ले कार्यकर्ताओं में काफी उथल-पुथल है. जन सुराज के कार्यकर्ताओं में भी प्रत्याशी का नाम तय होने के बाद काफी बेचैनी देखी गई है. इस विधानसभा क्षेत्र के मतदान का पैटर्न ऐसा रहा है कि जातीय सीमा टूट भी जाती है तो भूमिहार या कुशवाहा जाती से ही विधायक बनते हैं.

दोनों मुख्य गठबंधन में परिवार की जय

एनडीए से जदयू से अभिषेक कुमार ने नामांकन कराया है. यह पूर्व मंत्री एवं दो बार चेरिया बरियारपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुकीं मंजू वर्मा के पुत्र हैं. अभिषेक कुमार के दादा सुखदेव महतो भी एक बार सीपीआई से यहां के विधायक चुने गए थे. यानी तीसरी पीढ़ी परिवारवाद को कायम रखने को चुनाव मैदान में उतरे हैं. महागठबंधन की तरफ से सीटिंग विधायक राजवंशी महतो का टिकट कट गया और खगड़िया जिले के निवासी पूर्व मुख्यमंत्री सतीश प्रसाद सिंह के पुत्र सुशील कुमार को राजद का सिंबल मिला.

> **जातिगत आंकड़े**
>
> परिसीमन के बाद 2005 के दोनों वार के विधानसभा चुनाव में भूमिहार-ब्राह्मण अनिल चौधरी ने लोजपा से विधायक चुने गए. इसके बाद वर्ष 2010 एवं 2015 में मंजू वर्मा एवं 2020 में विधायक चुने गए राजवंशी महतो कोइरी कुशवाहा जाति से हैं. इससे पूर्व भी भूमिहार-ब्राह्मण जाति के रामजीवन सिंह तो, वहीं कुशवाहा जाति से स्व. हरिहर महतो, स्व. सुखदेव महतो, अशोक महतो भी यहां से विधायक चुने गए हैं.